>

Title: Need to grant a special status to the State of Rajasthan and announce tax-holiday to augment development of the State- laid.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): महोदय, राजस्थान की भौगोलिक स्थितियां अत्यंत विषम हैं। परिणामस्वरूप राज्य में प्रदान की जाने वाली सैंकड़ों सड़कें, रेल, ऊर्जा, पेयजल आदि की लागत अन्य राज्यों की तुलना में अधिक आती है। राजस्थान एक सीमावर्ती तथा क्षेत्रफल की दृÂिष्ट से देश का सबसे बड़ा राज्य है। प्रदेश के उत्तर पश्चिम भाग के 12 जिले मरूस्थलीय क्षेत्र हैं जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 61.11 प्रतिशत है। राज्य का 5.85 प्रतिशत भाग जनजाति बाहुल्य है, जिसमें राज्य की जनसंख्या की 12.6 प्रतिशत आबादी रहती है। राजस्थान में न्यूनतम जल संसाधन, अपर्याप्त एवं अनिश्चित वर्षा पर निर्भरता तथा सूखा एवं अकाल के कारण राज्य की विकास दर प्रभावित होती है। राजस्थान की कृषि भी अधिकांश भागों में मानसून पर निर्भर रहती है। राजस्थान में जल एक दुर्लभ संसाधन है। देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 10.41 प्रतिशत तथा 5.50 प्रतिशत जनसंख्या वाले राज्य में कुल सतही जल का केवल एक प्रतिशत जल ही उपलब्ध है। राज्य में चम्बल को छोड़कर किसी तरह की कोई बारहमासी नदी नहीं है।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान की इन विशिÂष्ट एवं विÂषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए राजस्थान को विशेष श्रेणी के राज्य का दर्जा देकर तथा पर्वतीय राज्यों की भांति कुछ वर्षों के लिए करमुक्त क्षेत्र घोÂिात कर विशेÂष आर्थिक सहयोग दिया जाये।